भारत ने दूसरे टी20 में इंग्लैंड को 24 रन से हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

ब्रिस्टल। भारतीय महिला टीम ने ब्रिस्टल में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को 24 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। पहला मुकाबला भारत ने 97 रन से अपने नाम किया था। अब अगला मुकाबला चार जुलाई को लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 181 रन बनाए। जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अर्धशतक जमाया। वहीं, ऋचा घोष ने आखिर में तूफानी पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 157 रन ही बना सकी। भारतीय टीम इस मैच में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी थी। पिछले मैच में वह नहीं खेली थीं।

भारत की पारी: पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही थी। शेफाली वर्मा तीन रन और पिछले मैच की शतकवीर स्मृति मंधाना 13 रन बनाकर आउट हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी कुछ खास नहीं कर सकीं और एक रन बनाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने चौथे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी निभाई। जेमिमा 41 गेंद में नौ चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुई। वहीं, अमनजोत ने पांचवें विकेट के लिए ऋचा के साथ 57 रन की नाबाद साझेदारी की। अमनजोत 40 गेंद में नौ चौके की मदद से नाबाद 63 रन बना सके, जबकि ऋचा 20 गेंद में छह चौके की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने दो विकेट लिए। वहीं, लॉरेन फ्लेयर और एम आर्लोट को एक-एक विकेट मिला।

इंग्लैंड की पारी: जवाब मं इंग्लिश टीम ने 17 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। सोफिया डंकले एक रन, डेनियल वायट हॉज एक रन और कप्तान नेट शीवर ब्रंट 13 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद टैमी ब्यूमोंट और एमी जोंस ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी निभाई। टैमी ने अर्धशतक पूरा किया। वह 35 गेंद पर आठ चौके और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुई। एमी 27 गेंद में चार चौके की मदद से 32 रन बना सकीं। इसके बाद फिर इंग्लैंड की गाड़ी पटरी से उतर गई। एलिस कैप्सी पांच रन बनाकर आउट हुई। आखिर में सोफी एक्लेस्टोन ने कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुका था। सोफी ने 23 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बना सकीं। एम आर्लोट 11 गेंद में 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की ओर से श्री चरणी को दो विकेट मिले। वहीं, दीप्ति शर्मा और अमनजोत ने एक-एक विकेट लिया।

नोवाक जोकोविच ने जीत दर्ज कर बनाई दूसरे दौर में बनाई जगह

नई दिल्ली। सर्बियाई दिग्गज और महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पेट की समस्या के बाद चार सेट तक चले मैच में जीत दर्ज कर ली। इसके साथ ही जोकोविच ने टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट और तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ पहले ही दौर से बाहर हो गए। जोकोविच को पहले दौर के मैच में पेट की समस्या के कारण दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी लेकिन आखिर में वह एलेक्जेंडर मुलर को 6-1, 6-7, 6-2, 6-2 से हारने में सफल रहे। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने बाद में कहा कि, मैं 45 मिनट तक पेट की समस्या से परेशान रहा, लेकिन डॉक्टर्स की चमत्कारिक गोलियों से मैं अपनी ऊर्जा वापस पाने में सफल रहा। ज्वेरेव को पहले दौर में 72वीं रैंकिंग वाले आर्थर रिंडरक्नेच से पांच सेटों में चार घंटे 40 मिनट में 7-6, 6-7, 6-3, 6-7, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। रिंडरक्नेच का ऑल इंग्लैंड क्लब में 1-4 का करियर रिकॉर्ड था और वह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में 18 बार तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। पिछले साल विम्बलडन और इस साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनलिस्ट रहे सातवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। उन्हें निकोलोज बेसिलशविली ने बाहर का रास्त दिखाया। दुनिया में 126वें नंबर के खिलाड़ी और यहां क्वालीफायर बेसिलशविली अपने पिछले 31 ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में केवल एक बार चौथे दौर तक पहुंच पाए हैं। वहीं मंगलवार को उलटफेर का दौर जारी रहा और महिला एकल में खिताब की प्रबल दावेदार गॉफ भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई। उन्हें दयाना यास्त्रेम्स्का ने 7-6, 6-1 से हराया। इस तरह से विंबलडन में पहले दो दिन में 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी दूसरे दौर में पहुंचने में असफल रहे। दूरे दिन बाहर होने वाले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ियों में 18वें नंबर के उगो हम्बर्ट, 27वें नंबर के डेनिस शापोवालोव, 28वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक और 30वें नंबर के एलेक्स मिशेलसन शामिल थे।

छठे स्थान पर पहुंचे शतकवीर ऋषभ पंत, शुभमन गिल को हुआ नुकसान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत आईसीसी की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में बुधवार को एक स्थान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजों की रैंकिंग में बादशाहत बरकरार है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले हफ्ते एक ही टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले सिर्फ दूसरे विकेटकीपर बने पंत के करियर के सर्वश्रेष्ठ 801 रेटिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर चल रहे इंग्लैंड के जो रूट से सिर्फ 88 अंक पीछे हैं। पंत ने जुलाई 2022 में करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बरकरार हैं और बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष भारतीय है। कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के नुकसान से 21वें पायदान पर हैं। भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में 28 और नाबाद 53 रन की पारी खेलने वाले रूट ने दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के अपने हमवतन हैरी ब्रूक पर 15 अंक की बढ़त बना रखी है। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 149 रन की मैच विजयी पारी खेलने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर हैं।

बुमराह शीर्ष पर कायम

गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 907 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबादा और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। जोश हेजलवुड एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली को पछाड़ा। इस बीच भारत के रवींद्र जडेजा भी टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं।

काउंटी क्रिकेट में ईशान किशन का जलवा

दो पारियों में बनाए 164 रन, तिलक वर्मा भी जड़ चुके शतक

लंदन। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भारत के ईशान किशन और तिलक वर्मा जलवा बिखेर रहे हैं। ईशान नॉटिंघमशायर और तिलक हैम्पशायर के लिए खेल रहे हैं। तिलक ने जहां तीन पारियों में 176 रन बना लिए हैं, वहीं ईशान ने अब तक दो पारियों में 164 रन बनाए हैं। तिलक ने एक शतक भी लगाया है। तिलक सीमित ओवर के क्रिकेट में भारतीय टीम का हिस्सा हैं, लेकिन ईशान 2022 में टीम से निकाले जाने के बाद वापसी नहीं कर पाए हैं। हालांकि, इन पारियों के बाद सबसे लंबे प्रारूप में भी इन पर विचार किया जा सकता है। भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे पर है, किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर भी इन्हें शामिल किया जा सकता है।

तिलक की बेहतरीन बल्लेबाजी

तिलक ने पहला मैच हैम्पशायर के लिए एसेक्स के खिलाफ खेला था। इस मैच में उन्होंने 241 गेंद में 11 चौके और तीन छक्के की मदद से 100 रन बनाए थे। हैम्पशायर और एसेक्स का मैच ड्रॉ रहा था। इसके बाद तिलक ने हैम्पशायर और वॉर्सेस्टरशायर के बीच मैच की पहली पारी में 171 गेंद में सात चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए थे। हालांकि, वॉर्सेस्टरशायर ने पहली पारी में सात विकेट पर 679 रन बनाकर डिक्लेयर किया था। वहीं, तिलक के अर्धशतक के बावजूद हैम्पशायर की टीम पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई और अब फॉलोऑन खेल रही है। फॉलोऑन में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हैम्पशायर ने तीन विकेट गंवाकर 86 रन बना लिए हैं। तिलक 20 रन और कप्तान बेन ब्राउन तीन रन बनाकर क्रीज पर हैं।

शेयर बाजार लाल निशान पर हुआ बंद

नई दिल्ली। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को शुरुआती बढ़त खोकर नीचे आ गए। अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा से पहले एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के कारण यह गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि बाजारों से विदेशी पूंजी का पलायन और वैश्विक शेयर बाजारों में मिले-जुले रुख से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 85.71 (अनंतिम) पर बंद हुआ। शुरुआती उत्साह के बाद बीएसई सेंसेक्स ने अपनी गति खो दी और 287.60 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 546.52 अंक या 0.65 प्रतिशत गिरकर 83,150.77 पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टूब्रो, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से पिछड़ गए। हालांकि, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और ट्रेंट में सबसे ज्यादा लाभ रहा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मिले-जुले वैश्विक संकेत खासतौर पर अमेरिकी टैरिफ समयसीमा से पहले, निवेशक सतर्क दिखाई दिए। बाजार का ध्यान धीरे-धीरे चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की आय पर केंद्रित हो रहा है, इससे बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और बढ़े हुए सरकारी खर्च जैसे अंतर्निहित रुझान बाजार के लचीलेपन का समर्थन करते हैं। हालांकि, हालिया तेजी के चरम स्तर पर होने के कारण, निकट भविष्य में सतर्कता जारी रहने की उम्मीद है।

112 ग्रामीण जिलों में प्रति व्यक्ति औसत आय दो हजार डॉलर के पार

नई दिल्ली। ग्रामीण भारत में आर्थिक प्रगति के मजबूत संकेत दिख रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, 112 ग्रामीण जिलों में प्रति व्यक्ति औसत आय अब 2,000 डॉलर को पार कर गई है। इन इलाकों में 29.1 करोड़ लोग रहते हैं। आय वृद्धि से स्मार्टफोन, वाहन और ब्रांडेड सामान जैसे गैर जरूरी उत्पादों और सेवाओं की मांग में वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य अपनी मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और विकास योजनाओं के कारण ग्रामीण उत्थान की इस कहानी का नेतृत्व कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को छोड़कर लगभग हर राज्य में ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय 2,000 डॉलर से अधिक है। ग्रामीण उद्योग क्षेत्र का मूल्य 2024-25 में 29 लाख करोड़ था। यह तीन वर्षों में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। विनिर्माण क्षेत्र में 5 फीसदी की धीमी वृद्धि रही।? निर्माण (8.7 प्रतिशत), यूटिलिटी (6.9 प्रतिशत) और खनन (13.5 प्रतिशत) ने अच्छा प्रदर्शन किया। औद्योगिक क्षेत्र में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यूपी सबसे आगे रहा। तमिलनाडु और राजस्थान दूसरे स्थान पर रहे।

अन्य क्षेत्रों से कम रही कृषि की वृद्धि दर

ग्रामीण सेवा क्षेत्र में प्रति व्यक्ति औसत आय अब ज्यादातर राज्यों में 3,000 डॉलर के पार है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 61 लाख करोड़ रुपये का योगदान देने वाली कृषि अन्य क्षेत्रों की तुलना में धीमी गति से बढ़ी। 2021-22 और 2024-25 के बीच इसकी वृद्धि दर 3.9 प्रतिशत रही। फसलें सिर्फ 2.8 फीसदी बढ़ीं। जलीय कृषि ने 7.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ नेतृत्व किया। उद्योग क्षेत्र से आय अधिकांश राज्यों में प्रति व्यक्ति 2,000 डॉलर पार कर गई है। सेवा क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हिस्सा बन गया है, जिसका मूल्य 2024-25 में 62 लाख करोड़ रहा। व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट सभी में मजबूत वृद्धि रही। ग्रामीण सेवा में 10 फीसदी वृद्धि के साथ तमिलनाडु व महाराष्ट्र शीर्ष पर रहे।

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कोयला उत्पादन 16.39 फीसदी बढ़ा, आपूर्ति में भी इजाफा

नई दिल्ली। कैप्टिव और कॉमर्शियल कोयला खदानों से उत्पादन में 16.39 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। कोयला मंत्रालय के अनुसार जून 2025 में कोयला प्रेषण 17.31 मीट्रिक टन दर्ज किया गया। पिछले साल की तुलना में कोयला प्रेषण में 13.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कोयला प्रेषण का मतलब होता है कि खनन के बाद कोयले को उपभोक्ताओं तक भेजना। इसमें आमतौर पर कोयले को कोयला खदानों से बिजली संयंत्रों, इस्पात कारखानों, सीमेंट कंपनियों या अन्य औद्योगिक इकाइयों तक ट्रांसपोर्ट करना शामिल होता है।

कोयला उत्पादन 15.57 मिलियन टन तर पहुंचा

ये आंकड़े कोयला क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन का संकेत देते हैं। यह देश भर में प्रमुख उद्योगों की ऊर्जा और कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाता है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान कोयला उत्पादन 15.57 मिलयन टन तक पहुंच गया। यह वृद्धि बेहतर परिचालन दक्षता और खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग का परिणाम है। कोयला मंत्रालय के जारी ग्राफ में पहली तिमाही के अंत में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रदर्शन में लगातार सुधार हुआ है। उत्पादन और प्रेषण दोनों के आंकड़ों साल दर साल बढ़ रहे हैं।

नई खदानों को मिली अनुमति

जून 2025 में कोयला मंत्रालय ने उत्कल-ए खदान को पीक रेटेड कैपेसिटी 25 मिलियन टन के साथ उत्पादन शुरू करने की अनुमति दी। इसके अलावा ही तीन और कोयला ब्लॉकों पर आदेश जारी किए गए, जिससे आबंटित खदानों की कुल संख्या 200 से अधिक हो गई है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए बड़ी उपलब्धि

ब्लॉक आवंटन में इस बढ़त से बिजली उत्पादन, इस्पात विनिर्माण और सीमेंट उत्पादन जैसे प्रमुख क्षेत्रों की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह वृद्धि घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और भारत के औद्योगिक विकास को समर्थन देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। कोयला क्षेत्र को मजबूत करना आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

13 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ एचडीबी फाइनेंशियल

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक की सहायक कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर बुधवार को अपने निर्गम मूल्य 740 रुपये से लगभग 13 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए। इश्यू प्राइस यानी निर्गम मूल्य, वह प्रारंभिक मूल्य है जिस पर कोई कंपनी अपने शेयर या बॉन्ड जनता को पहली बार जारी करती है। बीएसई पर कंपनी के शेयर की शुरुआत 835 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 12.83 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 14.29 प्रतिशत बढ़कर 845.75 रुपये पर पहुंच गया। वहीं एनएसई में कंपनी के शेयर 835 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। शुरुआती कारोबार के दौरान कंपनी का बाजार पूंजीकरण 69,658.72 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। संस्थागत खरीदारों की उत्साहजनक भागीदारी के बीच, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक शेयर बिक्री को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यह पिछले शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 16.69 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ का प्राइस बैंड 700 से 740 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इसमें 2,500 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी किए गए और 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत की गई। कंपनी के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग अपने टियर-1 पूंजी आधार को मजबूत करने के लिए करेगी। इसमें अतिरिक्त उधार देना भी शामिल है, ताकि कारोबार की वृद्धि को सहारा मिल सके। एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ पिछले तीन वर्षों में दूसरा सबसे बड़ा निर्गम रहा, पहले स्थान पर दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई का 27,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव था। एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक शशिधर जगदीशन ने कहा कि बैंक अपनी सहायक कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज को सूचीबद्धता के बाद भी समर्थन देना जारी रखेगा।